लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार

भैंस का प्रजनन कैलेंडर

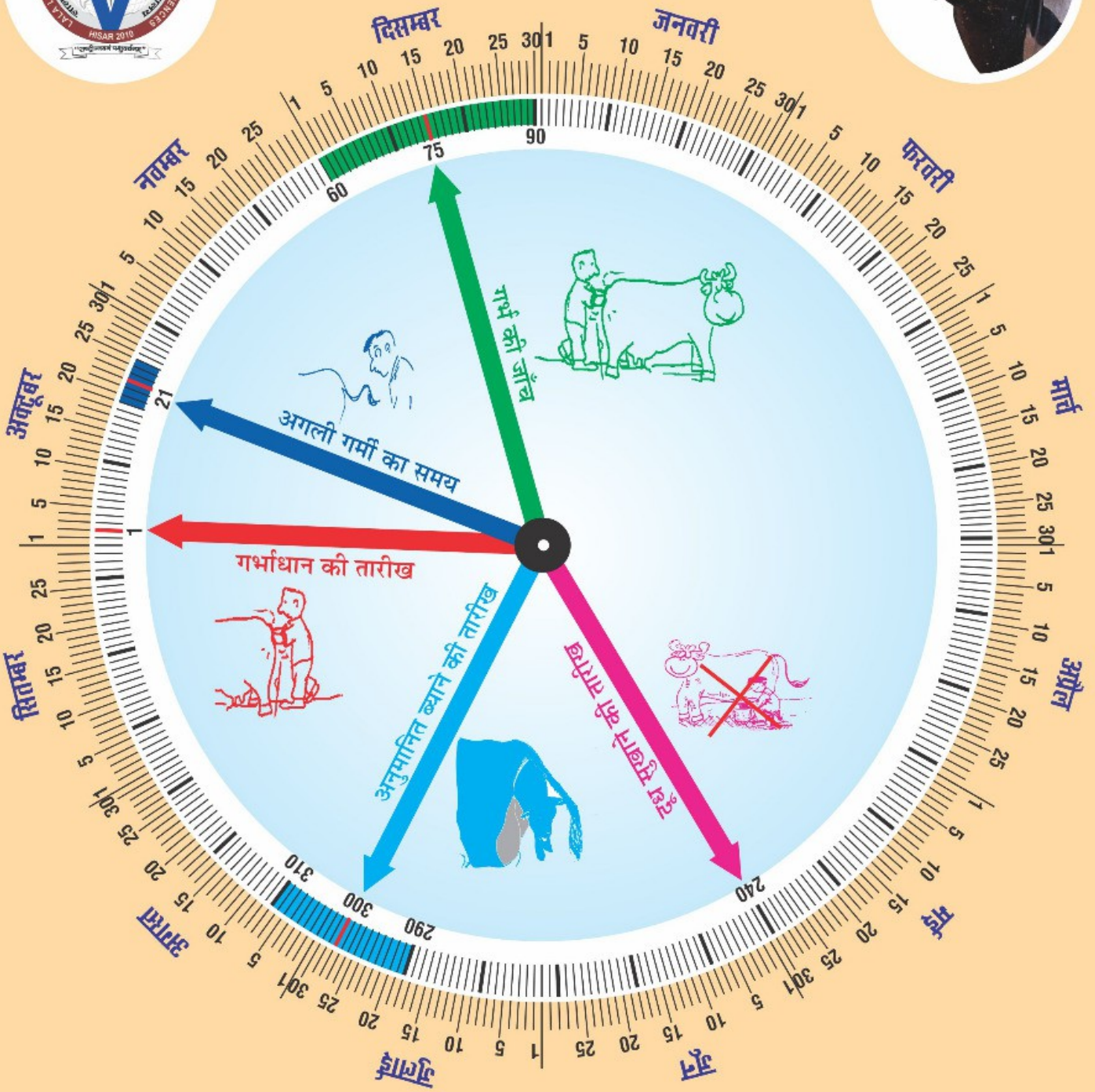

विस्तार शिक्षा निदेशालय

Compiled & Edited by Dr. Sarita, Dr. D. S. Dahiya & Dr. J. B. Phogat © All Copyrights reserved

1. पहले प्रजनन के समय पशु का शारीरिक वजन उसके व्यस्क शारीरिक वजन का 60–70 प्रतिशत होना चाहिए।

2. साधारणतः भैंस हर 21वें (18–24) दिन गर्मी में आती है।

3. अधिकांश पशु (60–70 प्रतिशत) गर्मी में सांय 6 बजे से प्रातः 6 बजे के बीच आते हैं इसलिए पशुपालक को पशुओं को गर्मी में देखने के लिए कम से कम 24 घंटों में 3–4 बार जाँच जरूर करनी चाहिए।

4. भैंस को कृत्रिम गर्भाधान या उच्च कोटि के सांड से गाभिन कराना चाहिए।

5. गर्भाधान से 2–3 महीनों के बाद गर्भावस्था की जाँच अवश्य करवायें।

6. भैंस में गर्भावस्था लगभग 300 दिन (290–310) की होती है।

7. पशु समय से गर्म तथा गर्भित हो इसके लिए उसे संतुलित आहार देना चाहिए। इसमें खनिज मिश्रण का विशेष महत्त्व है।

8. ब्याने से अनुमानित तिथि में कम से कम दो महीने पहले ही दूध दोहना बंद कर दें ताकि अगले ब्यांत में दूध उत्पादन की वृद्धि व कटड़े–कटड़ी का सही विकास हो सके।

पशु क्रमांक	प्रजनन के समय पशु की आयु	गर्भाधान की तारीख	गर्भाधान का प्रकार		ब्यांत	शुष्क काल (टलने के दिन)	ब्याने से लेकर अगले गर्भाधान का अंतराल
			झोटे द्वारा	ए.आई			
1.							
2.							
3.							
4.							
5.							
6.							
7.							

 Compiled & Edited by Dr. Sarita, Dr. D. S. Dahiya & Dr. J. B. Phogat © All Copyrights reserved